प्रश्न–पत्र की योजना 2024–2025

कक्षा – **10**
विषय – हिन्दी
अवधि –3 धण्टे 15 मिनट पूर्णांक–80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार–

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	18	22.5
2.	अवबोध	31	38.75
3.	ज्ञानोपयोग	14	17.5
4.	कौशल	12	15.0
5.	विश्लेषण	5	6.25
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार–

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	वस्तु निष्ठ	15		15	18.75	28.30	25
2.	रिक्त स्थान	04		04	0.5	7.14	10
3.	अतिलघुत्तरात्मक	20		20	2.5	37.73	50
4.	लघुत्तरात्मक	07		14	17.5	13.30	40
5.	दीर्घउत्तरीय	3		09	11.25	5.66	40
6.	निबंधात्मक	4		18	22.5	7.54	30
	योग	53		80			195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार–

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभार	प्रतिशत
1	क्षितिज गद्य	18	22.5
2	क्षितिज पद्य	15	18.75
3	कृतिका	11	13.75
4	व्यवहारिक व्याकरण	10	12.5
5	रचना–पत्र	4	5.0
6	निबंध	6	7.5
7	विज्ञापन	4	5.0
8	अपठित गद्य	6	7.5
9	अपठित पद्य	6	7.5

नोट :– कवि/लेखक परिचय के 3 अंक क्षितिज गद्य जोडकर गणना की गई हैं।

BSER

प्रश्न–पत्र ब्ल्यूप्रिन्ट 2024–2025

कक्षा –10 विषय :–हिन्दी समय 3 धण्टे 15 मिनट

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उपइकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल					
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	
1	क्षितिज गद्य					3 (1)		1(4)		1(4)							2 (2)	1 (-)						1 (1)	
2	क्षितिज पद्य							1(4)		1(4)							2 (2)	1 (-)						1(1)	
3	कृतिका						1(-)	1 (3)									2 (2)								
4	व्यवहारिक व्याकरण	1 (4)	1 (4)		2(1)																				
5	रचना–पत्र						1(-)																		
6	निबंध						1(-)																		4
7	विज्ञापन						2(-)																		2
8	अपठित गद्य									1(6)															
9	अपठित पद्य									1(6)															
	क्षितिज गद्य																								
	योग	4(4)	4(4)		2(1)	3(1)	5(-)	11(11)		20(20)							12(6)	2(-)						2(2)	
	सर्वयोग	18(10)						31(31)						14(6)						12(6)					

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है नोटः–कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के

BSEP

माध्यमिक परीक्षा, 2025

Secondary Examination, 2025

नमूना प्रश्न–पत्र

Model Paper

विषय – हिन्दी

Sub : Hindi

कक्षा – 10वीं

Class: 10^{th}

समय : 03 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है, उनके उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

BSER

'खण्ड – अ'

प्र.1) निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिएः– (1X15=15)

i) निम्नलिखित संज्ञा शब्दों में व्यक्तिवाचक संज्ञा का उदाहरण है –

अ) मित्रता ब) लड़का

स) पर्वत द) हिमालय

ii) 'मानसिक' शब्द में प्रत्यय है ?

अ) ईक ब) इक

स) सिक द) क

iii) निम्नलिखित शब्दों में से यण संधि का उदाहण है –

अ) महर्षि ब) नायक

स) सदैव द) स्वच्छ

iv) 'शताब्दी' शब्द में समास का प्रकार है –

अ) द्विगु समास ब) द्वन्द्व

स) तत्पुरूष समास द) कर्मधारय समास

v) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में नेताजी की मूर्ति बनाने वाला था –

अ) मास्टर हीरा लाल ब) मास्टर मोती लाल

स) मास्टर नंद लाल द) मास्टर मदन लाल

vi) 'झूठा सच' नामक उपन्यास के लेखक हैं –

अ) यशपाल ब) रामवृक्ष बेनीपुरी

स) मन्नू भण्डारी द) यतीन्द्र मिश्र

vii) मन्नू भण्डारी के साहित्य का दायरा बढ़ाने में सर्वाधिक योगदान रहा –

अ) उनके पिता का ब) डॉ. अम्बा लाल का

स) शीला अग्रवाल का द) राजेन्द्र वर्मा का

viii) 'शहनाई' किस प्रकार का वाद्य यंत्र है –

अ) तत् वाद्य ब) अवनद्ध वाद्य

स) घनवाद्य द) सुषिर वाद्य

ix) वात्सल्य के श्रेष्ठ कवि हैं –

अ) तुलसी ब) सूरदास

स) रहीम द) देव

BSER

x) ''नाथ संभु धनु भंजनिहारा/होइहि कोउ एक दास तुम्हरा'' ।।

उपर्युक्त काव्य पंक्ति किसकी ओर संकेत करती है –

अ) राम ब) लक्ष्मण

स) भरत द) शत्रुघ्न

xi) 'कामायनी' के रचयिता हैं –

अ) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ब) नागार्जुन

स) मंगलेश डबराल द) जयशंकर प्रसाद

xii) 'यह दंतुरित मुस्कान' कविता का केन्द्रीय पात्र है –

अ) स्वयं लेखक ब) माता

स) बच्चा द) वृद्ध

xiii) 'माता का अँचल' पाठ में लेखक के पिता लेखक को किस नाम से पुकारते थे–

अ) भोलानाथ ब) शिवनाथ

स) गोरखनाथ द) दरिद्र नारायण

xiv) साना–साना हाथ जोड़ि पाठ में यात्रा से लौटते समय जितेन ने किनके 'फुट प्रिंट' की जानकारी दी –

अ) गुरू गोविन्द सिंह ब) गुरूनानक

स) गुरू अंगद द) गुरू रामदास

xv) हिरोशिमा की घटना पर आधारित पाठ का नाम है –

अ) परमाणु ब) मैं कैसे लिखता हूँ?

स) मैने क्यों लिखा? द) मैं क्यों लिखता हूँ?

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **(I से iv)** **(1x4= 4)**

(i) जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता या लेखक (स्वयं) अपने लिए करता है उसे .....सर्वनाम कहते हैं।

(ii) 'इस गेंद को मत फैंको' वाक्य में .....विशेषण हैं।

(iii) ऐसे शब्द जिनके रूप में लिंग, वचन, काल आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता .....कहलाते हैं।

(iv) 'संयोग' शब्द में .....उपसर्ग हैं।

BSER

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए । (1 से VI) (1X6 +6)

किसी आती हुई आपदा की भावना या दुःख के कारण के साक्षात्कार से जो एक प्रकार का आवेग पूर्ण अथवा स्तंभकारक मनोविकार होता है उसी को भय कहते हैं। क्रोध दुःख के कारण पर प्रभाव डालने के लिए आकुल करता है और भय उसकी पहुँच से बाहर होने के लिए। क्रोध दुःख के कारण के स्परूप बोध के बिना नहीं होता। यदि दुःख का कारण चेतन होगा और ये समझा जायेगा कि उसने जानबूझकर दुःख पहुंचाया है तभी क्रोध होगा। पर भय के लिए कारण का निर्दिष्ट होना जरूरी नहीं, इतना भर मालूम होना चाहिए कि दुःख या हानि पहुंचेगी।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) भय को परिभाषित कीजिए

(iii) दुःख के कारण पर प्रभाव डालने के लिए कौन आकुल करता है

(iv) गद्यांश मे से 'विपत्ति' शब्द का पर्यायवाची शब्द ढूंढकर लिखिए?

(v) क्रोध कब प्रकट होता है ?

(vi) भय के लिए क्या जरूरी नहीं ?

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए ? (1 से VI) (1X6 +6)

मैं जग–जीवन का भार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ,
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ।

मैं स्नेह–सुरा का पान किया करता हूँ,
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) उपर्युक्त पद्यांश में रेखांकित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए

(iii) काव्यांश में कवि किसका पान करता है ?

(iv) जग किसको पूछता है ?

BSER

(v) उपर्युक्त पद्यांश की मूल संवेदना लिखिए ?

(vi) कवि किसका गान करता है ?

'खण्ड – ब'

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए–

प्र.5) 'संगीत' को संपूर्णता व एकाधिकार से सीखने की जिजीविषा को अपने भीतर जिन्दा रखा।'' उपर्युक्त कथन किसके संदर्भ में व क्यों कहा गया हैं ? 2

प्र.6) हमारी संस्कृति पर मनीषियों का क्या प्रभाव पड़ा पठित पाठ के आधार पर लिखिए। 2

प्र.7) संगतकार का गायन में योगदान लिखिए। 2

प्र.8) आत्मकथ्य कविता का मूल भाव लिखिए। 2

प्र.9) ''मैडम यह मैदानी नहीं पहाड़ी इलाका है। यहाँ कोई भी आपको चिकना वर्बीला नहीं मिलेगा।'' उपर्युक्त वाक्य किसने ? क्यों कहा ? 2

प्र.10) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर ग्रामीण जीवन में बच्चों के जीवन में खेलों का महत्त्व लिखिए। 2

प्र.11) 'आँखे मूंदना' मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 2

'खण्ड – स'

प्र.12) निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –(**i** से **iv**) (1x4=4)

गाड़ी छूट रही थी सैकण्ड क्लास के एक छोटे डिब्बें को खाली समझकर जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए। अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था। एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे। सामने दो ताजे चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे डिब्बे में हमारें सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकान्त चिन्तन में विघ्न का असन्तोष दिखाई दिया सोचा हो सकता है यह भी कहानी के लिए सूझ की चिन्ता में हो या खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु का शोक करते देखे जाने के संकोच में हो।

(i) उपर्युक्त गद्यांश में कहाँ का दृश्य प्रस्तुत किया गया है?

(ii) लेखक ने डिब्बे को लेकर क्या अनुमान लगाया था ?

(iii) डिब्बे में बैठे सज्जन की आँखों में असन्तोष क्यों दिखाई दिया?

(iv) डिब्बे की बर्थ पर कौन बैठा हुआ था।

BSER

अथवा

बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा सा था किन्तु इसी कारण बालगोविन्द भगत उसे और भी मानते उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ज्यादा नजर रखनी चाहिए ये प्यार के ज्यादा हकदार होते हैं। पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबन्धिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत कर दिया। उनका बेटा बीमार है इसकी खबर रखने की लोगों का कहाँ फुर्सत! किन्तु मौत तो सबका ध्यान खींच कर ही रहती हैं।

(i) बालगोबिन भगत की संगीत साधना का चरम उत्कर्ष कब देखा गया ?

(ii) बालगोबिन भगत अपने बेटे के प्रति अधिक लगाव क्यों रखते थे।

(iii) भगत की पतोहू की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(iv) किस खबर ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

प्र.13) निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (i से iv) (1X4=4)

बिहसि लखनु बोले मृदुबानी। अहो मुनिसु महा भट मानी ।।

पुनि. पुनि मोहि दिखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।

इहाँ कुम्हड्बतिया कोउ नाहि। जे तर्जनी देखि मरि जाही ।।

देखि कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमान ।।

भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहउ सहौं रिस रोकी।।

सुर महिसुर हरिजन अरू गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।

(i) काव्यांश में कवि ने 'महाभट' किसे कहा हैं ?

(ii) 'इहा कुम्हड़बतिया कोउ नाहि से क्या आशय है?

(iii) रघुकुल में किन पर अपनी वीरता नहीं दिखाई जाती ?

(iv) उपर्युक्त काव्यांश में किन–किन के मध्य संवाद है ?

अथवा

फसल क्या है ?

और तो कुछ नहीं है वह

नदियों के पानी का जादू है वह

हाथों के स्पर्श की महिमा है

BSER

भूरी–काली संदली मिट्टी का गुण धर्म है

रूपान्तर है सूरज की किरणों का

सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का

(i) कवि के अनुसर फसल क्या है ?

(ii) उपर्युक्त काव्यांश में किन मानवीय मूल्यों की ओर संकेत किया गया है?

(iii) फसल किसका रूपान्तर है ?

(iv) फसल को किसका संकोच बताया गया है।

प्र.14) 'नही साब! वो लँगड़ा क्या जायेगा फ़ौज में। पागल है पागल!' **(3)**

पान वालें के द्वारा कही पंक्ति में कैप्टन के प्रति पान वाले की क्या सोच रही होगी कल्पना के आधार पर लिखिए। (उत्तर सीमा : 60–80 शब्द)

अथवा

"हम भाई बहिनों का सारा लगाव माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूरी में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका।" आपके अनुसार मन्नू भण्डारी की माँ उनके लिए आदर्श क्यों नहीं बन सकी ?

प्र.15) संगतकार कविता के माध्यम से कवि ने समाज निर्माण में किन लोगों के योगदान को दर्शाया है ? **(3)** (उत्तर सीमा : 60–80 शब्द)

अथवा

उद्धव गोपियों के कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम को समझने में असमर्थ क्यों रहे ?

प्र.16) कवि नागार्जुन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में लिखिए। **(3)**

अथवा

रामवृक्ष बेनीपुरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में लिखिए।

BSER

'खण्ड – द'

प्र.17) ''दुर्घटना से देर भली, सावधानी से मौत टली'' सिक्किम यात्रा के दौरान लेखिका को यह चेतावनी किस स्थान पर लिखी मिली उस मार्ग में आने वाली कठिनाईयों को अपने शब्दों में लिखिए। (शब्द सीमा 80–100 शब्द) **(4)**

अथवा

''मै क्यों लिखता हूँ ?'' पाठ के आधार पर अज्ञेय द्वारा लिखने के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

प्र.18) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए :– (6)

(1) **भारत में षड़ ऋतुओं का प्रभाव**

(i) प्रस्तावना

(ii) षड़ ऋतुएँ

(ii) फसलों का उत्पादन

(iv) मानव जीवन पर प्रभाव

(v) उपसंहार

(2) **विद्यार्थी जीवनः भावी जीवन का आधार**

(i) प्रस्तावना

(ii) विद्यार्थी जीवन के गुण

(ii) भावी जीवन की तैयारी

(iv) भावी जीवन में विद्यार्थी की भूमिका

(v) उपसंहार

(3) **राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर**

(i) प्रस्तावना

(ii) धरोहर के प्रकार

(ii) ऐतिहासिक धरोहरों की विशेषताएँ

(iv) पर्यटन क्षेत्र में योगदान

(v) उपसंहार

BSER

(4) **यदि मैं प्रधानाचार्य होता**

(i) प्रस्तावना

(ii) प्रधानाचार्य के कर्तव्य

(ii) विद्यालय प्रबंधन में योगदान

(iv) विद्यार्थी, अभिभावक, कर्मचारियों से व्यवहार

(v) उपसंहार

प्र.19) स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रेनगढ़ का मनीष मानकर प्रधानाचार्य महोदय को खेल सप्ताह आयोजनार्थ एक प्रार्थना पत्र लिखिए। (4)

अथवा

स्वयं को यशवर्धन मानते हुए अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए जिसमें आपकी बोर्ड परीक्षा तैयारी एवं समय प्रबंधन के बारे में बताया गया हो।

प्र.20) नगर पालिका उधमगढ़ की ओर से स्वच्छता जागरूकता हेतु एक विज्ञापन लिखिए। (4)

अथवा

ग्रीष्मावकाश में स्काउट्स एवं गाइड द्वारा कौशल विकास शिविर में बनाई गई सामग्री की प्रदर्शनी देखने हेतु एक विज्ञापन लिखिए।

BSEB